

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CHEMICALS & FERTILIZERS
DEPARTMENT OF FERTILIZERS
LOK SABHA
UNSTARRED QUESTION NO 3737 TO BE ANSWERED ON: 25.03.2022

Revival of sick Fertilizer Plants

**3737 SHRI DULALAL CHAND GOSWAMI:
SHRI CHANDESHWAR PRASAD:
SHRI ARUN KUMAR SAGAR:**

Will the Minister of **CHEMICALS AND FERTILIZERS** be pleased to state:

- (a) the details of sick public sector chemical and fertilizer plants in the country including in backward and rural areas as on date, State/UT-wise;
- (b) the time by when the said units are incurring losses, unit and State/UT wise;
- (c) whether the Government proposes to revive or disinvest these units;
- (d) if so, the details thereof and the steps taken to revive or disinvest the same so far; and
- (e) the number of employees of these units likely to be affected and the revenue likely to be accrued from their disinvestment?

ANSWER

MINISTER OF STATE FOR CHEMICALS & FERTILIZERS
(SHRI BHAGWANTH KHUBA)

Department of Fertilizers

(a): At present, there are two sick public sector fertilizer manufacturing companies, viz., Fertilizers and Chemicals Travancore Limited (FACT) and Madras Fertilizers Limited (MFL), under control of Department of Fertilizers, situated in Kerala and Tamilnadu respectively.

(b): MFL has incurred losses from FY 2015-16 to 2019-20. FACT has reported profit from FY 2018-19 to 2020-21.

(c): Both units are operational and there is no proposal for their disinvestment at present.

(d) & (e): Question does not arise.

Chemicals & Petro-Chemicals

(a) to (e): Hindustan Fluorocarbons Limited (HFL), located in Telangana, is under closure. The closure proceeds are currently withheld due to non-receipt of NOC from the Telangana Government and a stay on removal of plant and machinery by Hon'ble High Court of Telangana on a writ petition filed by M/s Rockwell Industries Ltd. VRS/VSS has been implemented in HFL and currently the administrative/maintenance activities are carried out with the help of skeletal staff.

भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3737

जिसका उत्तर शुक्रवार, 25 मार्च, 2022/4 चैत्र, 1944 (शक) को दिया जाना है।

रुग्ण उर्वरक संयंत्रों का पुनरुद्धार

3737. श्री दुलाल चन्द्र गोस्वामी:

श्री चन्द्रेश्वर प्रसाद:

श्री अरुण कुमार सागर:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) पिछड़े और ग्रामीण क्षेत्रों सहित देश में सार्वजनिक क्षेत्र के रुग्ण रासायनिक और उर्वरक संयंत्रों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;
- (ख) उक्त इकाइयां इकाई-वार और राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कब से घाटे में चल रही हैं;
- (ग) क्या सरकार का इन इकाइयों का पुनरुद्धार करने या विनिवेश करने का विचार है;
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त इकाइयों को पुनर्जीवित करने या उनका विनिवेश करने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं; और
- (ड.) इन इकाइयों के कितने कर्मचारियों के प्रभावित होने की संभावना है और उक्त इकाइयों के विनिवेश से कितना राजस्व अर्जित होने की संभावना है?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (भगवंत खुबा)

उर्वरक विभाग:

(क): वर्तमान में उर्वरक विभाग के नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र की दो रुग्ण उर्वरक उत्पादक कंपनियां, नामतः फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स त्रावणकोर लिमिटेड (एफएसीटी) तथा मद्रास फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एमएफएल) हैं, जो क्रमशः केरल और तमिलनाडु में स्थित हैं।

(ख): एमएफएल वित्त वर्ष 2015-16 से 2019-20 तक घाटे में रही। एफएसीटी ने वित्त वर्ष 2018-19 से 2020-21 तक लाभ होने की रिपोर्ट दी है।

(ग): दोनों इकाइयां चालू हैं और फिलहाल इनके विनिवेश का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(घ) और (ड.): प्रश्न नहीं उठता।

रसायन एवं पेट्रोरसायन:

(क) से (ड.): तेलंगाना में स्थित हिंदुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लिमिटेड (एचएफएल) को बंद करने की प्रक्रिया चल रही है। तेलंगाना सरकार से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त न होने तथा मेसर्स रॉकवेल इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा दायर एक रिट याचिका पर संयंत्र और मशीनरी को हटाये जाने पर माननीय तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश के कारण इसके बंद किए जाने से होने वाली प्राप्ति पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। एचएफएल में वीआरएस/वीएसएस कार्यान्वित किया जा चुका है और वर्तमान में न्यूनतम स्टाफ की सहायता से प्रशासनिक/अनुरक्षण कार्यकलाप किए जा रहे हैं।

